NS – 086

III Semester B.Com. Examination, November/December 2016
(Repeaters) (CBCS) (2015-16 Only)
HINDI LANGUAGE – III
Natak, Nibandh and Sankshiptikaran

Time : 3 Hours   Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए । **(10×1=10)**

1) यमराज के दरबार में भौंकने वाले कुत्तों का नाम क्या है ?
2) इक्ष्वाकु सदा क्या खाता था ?
3) जारपुत्र किसे कहा गया है ?
4) जीवात्मा-5 के फूल कहाँ फेंके गए थे ?
5) जीवात्मा-7 कौन है ?
6) पुष्यमित्र के पुत्र का नाम क्या था ?
7) ''अर्थशास्त्र'' के रचनाकार कौन हैं ?
8) कौन-सी आत्मा अपने देश को रामराज्य बनाना चाहता था ?
9) कौन एरावत पर आरूढ़ होकर आते हैं ?
10) 'वैतरणी के पार' के नाटककर का नाम लिखिए ।

II. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(6×2=12)**

1) तुम भारतखण्ड के थे, इसलिए तुम में इतने संस्कार थे ।
2) तुंम्हारे शिक्षा साम्राज्य में सत्यकामों को स्थान मिलना चाहिए ।
3) अपनी गाँधीगिरी से हम सबकी नाक में दम कर रखा था । बूढ़ा खूसट ।
4) जब कोई काम आम हो जाता है, सब वही करने लगते हैं, तो वह अपराध कैसे होता है ?

P.T.O.

www.onlinebu.com

III. 'वैतरणी के पार' नाटक का सारांश लिखकर, नाटक में निहित भ्रष्टाचार पर प्रकाश डालिए । (12×1=12)

अथवा

जीवात्मा-5, 6, 7 के घटनाक्रमों को विस्तार से लिखकर उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

IV. टिप्पणी लिखिए (**कोई एक**). (6×1=6)

1) शिक्षा शास्त्री
2) जीवात्मा-8

V. निबंध लिखिए (**कोई दो**) (10×2=20)

1) मुद्रास्फिति ।
2) बीमा ।
3) सहकारिता ।

VI. उचित शीर्षक लिखकर **एक तिहाई** शब्दों में संक्षिप्तिकरण कीजिए : 10

आज का युग विज्ञापन का युग है। जब से उपभोक्ता संस्कृति का प्रचार-प्रसार हुआ है तब से विज्ञापनों की बाढ़-सी आ गई है । आज हर व्यापार कम-से-कम लागत पर अधिक-से-अधिक लाभ कमाना चाहता है । अपनी वस्तु की बिक्री बढ़ाने और अधिक लाभ लेने के लिए विज्ञापन का सहारा लेता है । आज विज्ञापन के अनेक माध्यम और साधन हैं – समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियों, टी. वी., टेलीफोन आदि ।

जहाँ पर विज्ञापन उत्पादक की बिक्री बढ़ाते हैं वहाँ पर वे ग्राहक को भ्रमित भी करते हैं । एक ही वस्तु भिन्न-भिन्न कम्पनियों द्वारा एक के बाद एक विज्ञापित करते हैं जो ग्राहक को निर्णय लेने में मुश्किल पैदा करते हैं । दूसरी तरफ उस वस्तु की आवश्यकता हो या ना हो ग्राहकों को खरीददारी के लिए उकसाने का काम विज्ञापन करता है । अत: समय की माँग है कि ग्राहकों को जाग्रत होने की आवश्यकता है ।

विज्ञापन ने जहाँ ग्राहकों को भ्रमित किया है वहीं पर खरीदारी के निर्णय लेने में सहायता भी करता है। एक ही वस्तु के भिन्न-भिन्न रूप एवं अलग-अलग खूबियों के साथ उपलब्ध है जो विज्ञापन के द्वारा ही ग्राहकों को उनकी आवश्यकतानुसार वस्तु खरीदने में विज्ञापन सहायता करता है । विज्ञापन के लाभ और हानि दोनों ही ग्राहकों को प्रभावित करते हैं ।

---

www.onlinebu.com

NS – 081

III Semester B.Com. Examination, Nov./Dec. 2016
(2016-17 and Onwards) (Fresher) (CBCS) (Semester Scheme)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　Max. Marks : 70

I. **एक** शब्द या वाक्यांश में उत्तर लिखिए : **(10×1=10)**

1) 'अलख आज़ादी की' नाटक के नाटककार कौन हैं ?

2) वास्कोड़िगामा किस देश का था ?

3) कौन-सा बंदरगाह तिजारत के लिए सबसे आगे था ?

4) सम्राट बहादुरशाह जफ़र को कहाँ कैद कर रखा था ?

5) इंग्लैंड की महारानी का नाम क्या था ?

6) इंडियन नेशनल काँग्रेस का पहला अधिवेशन कहाँ हुआ ?

7) ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की ?

8) भारत छोड़ों आंदोलन कब शुरू हुआ ?

9) रामकृष्ण परमहंस के शिष्य कौन थे ?

10) फ़िरंगी किसके अँगूठे कटवाने पर तुल गए ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए : **(2×6=12)**

1) हमारे खेत, खलिहान, कोठार अनाज से भरे रहते थे । बाज़ार में दाम भी अच्छे मिल जाते थे । अब हालत भिखारियों से भी बद्तर हो गई है ।

2) अरे मैं कहता हूँ सारे राजा-नवाब एक होकर इन फ़िरंगियों का मुक़ाबला करें तो क्या इन्हें देश के बाहर खदेड़ा नहीं जा सकता ?

P.T.O.

www.onlinebu.com

3) कोई भी क्रांति तभी सफ़ल होती है, जब उसके पीछे जनता भी जाग्रत हो । जनता को जगाने के लिए समय और धैर्य चाहिए ।

4) सत्याग्रह यानी सत्य का आग्रह अहिंसा द्वारा । गांधी ने यही हथियार चुना अंग्रेज़ों के अन्याय और अत्याचार से लड़ने के लिए ।

III. "अलख आज़ादी की" नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताएँ बताइए । **12**

अथवा

'भारत की संपन्नता से आकृष्ट विदेशियों का आगमन और व्यापार करने की अनुमति लेकर समूचे देश के शासक बन जाने की दास्तान "अलख आज़ादी की" नाटक में व्यक्त है ।' इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : **(1×6=6)**

i) लेखिका ।

ii) गायक ।

V. कोई **दो** पत्र लिखिए : **(2×10=20)**

1) श्री अमित शाह आई.ए.एस. उपसचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से अवर सचिव, शिक्षा मंत्रालय कर्नाटक राज्य को राज्य में पिछले दो वर्षों से हो रही हिन्दी की प्रगति का विवरण माँगते हुए एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए ।

2) सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रशासनिक अधिकारी, नई दिल्ली को पिछले पत्र का उत्तर देने हेतु एक अनुस्मारक लिखिए ।

3) श्री अमलेन्द्र कुमार आइ.ए.एस. सचिव, समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से श्री मोनिक शर्मा की सेवा अवधी २ साल के लिए बढाये जाने की सहमति माँगते हुए एक अर्ध सरकारी पत्र, सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली – २ को लिखिए ।

www.onlinebu.com

VI. उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए : 10

बीमा वर्तमान युग की बहुत बडी आवश्यकता है । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में बीमा का कार्य बहुत अधिक बढ़ गया है । परंतु अब भी सर्वसाधारण इसका पूरा-पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं । इसके मूलत : दो कारण हैं । पहला, बीमा और उससे होनेवाले लाभों के प्रति अज्ञान तथा दूसरा जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों का रुखा व्यवहार । बीमा एजेंट बीमा करा लेने के बाद तथा किश्त जमा हो जाने पर बीमा कराये हुए व्यक्ति की तरफ़ भूल कर भी नहीं देखते । जीवन बीमा निगम अपने कर्मचारियों के दुर्व्यवहार के लिए विख्यात रहा है । यदि ये लोग जनता के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन लायें और बीमा से मिलनेवाले लाभों का प्रचार प्रत्येक गाँव में करें तथा जनता में यह विश्वास पैदा करें कि उनका जमा किया गया धन कंपनी में सुरक्षित रहता है तो बीमा को पर्याप्त प्रोत्साहन मिल सकता है । समाज विरोधी तत्व छोटी-छोटी बातों पर बसों को जला देते हैं, वाहनों को तोड़-फोड़ देते हैं तथा सार्वजनिक संपत्ति को हानि पहुँचाते हैं । ये सारी हानियाँ परिवहन निगम या किसी व्यक्ति विशेष की न होकर बीमा कंपनी की होती है ।

www.onlinebu.com

UN – 038

III Semester B.Com. Examination, November/December 2015
(Fresh) (CBCS) (2015-16 & Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Nibandh and Sankshiptikaran

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) 'वैतरणी के पार' के नाटककार कौन है ?
2) कौन अपने नाम से एक यूनिवर्सिटी स्थापित करना चाहता था ?
3) इक्ष्वाकु किसे जारपुत्र कहता है ?
4) कुम्भीपाक में किसे रहना पड़ता है ?
5) लोगों ने जीवात्मा –7 का क्या नाम रख दिया था ?
6) जीवात्मा –8 का स्वर्ग के सभी देवताओं की ओर से कौन अभिनन्दन करता है ?
7) सारथेय कौन है ?
8) कीड़े की योनि में जन्म लेने का दण्ड किसे मिलता है ?
9) जीवात्मा –2 को सजा भुगतने के लिए किस लोक में भेजा जाता है ?
10) महारौरव नरक में किसे भेजा जाता है ?

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(6×2=12)**

1) पार करने का प्रयास कर रहे हैं, किन्तु शीघ्रता से पार नहीं कर पा रहें हैं।वैतरणी के पानी में झुलस रहे हैं और रक्त मांस और अस्थियों से आवृत है।
2) हाँ नाथ। जब मैं तुम्हारे मृत शरीर के साथ चिता पर जा बैठी तब वहाँ हजारों लोग इकट्ठा हुए थे। मेरी जयजयकार कर रहे थे। मैं फूली न समाई। लेकिन जब चिता को आग दी गई तब मैं उसकी आँच सह न सकी। मैं बाहर कूदना चाहती थी।
3) क्यों महाराज ? मेरी विद्वता मेरी अपनी है। अपनी सम्पत्ती है। उसे देना अथवा न देना मेरी इच्छा पर है।
4) जब तक जनतन्त्र जागृत नहीं होगा, बलवान नहीं होगा, प्रशिक्षित और प्रबुद्ध नहीं होगा, तब तक उसे ऐसे राजनेताओं से दुःख-पीड़ा-शोषण भुगतना होगा।

P.T.O.

www.onlinebu.com

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए : (12×1=12)

1) वैतरणी के पार नाटक में विकृतियों का निषेध करते हुए नाटककार ने अच्छे मनुष्य और बेहतर समाज बनाने की संकल्पना की है। विवेचना कीजिए।

2) 'वैतरणी के पार' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (6×1=6)

1) यमराज

2) जीवात्मा – 1

V. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर निबंध लिखिए : (10×2=20)

1) बैंकों का राष्ट्रीकरण

2) आतंकवाद और अर्थ व्यवस्था।

3) विज्ञापन और महिला।

VI. निम्नलिखित अनुच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए : (10×1=10)

वाल्मिकि की रामकथा ई सा की पूर्व शतियों से कुशीलव नामक चारण जातियों द्वारा गाई जाती हुई लोक में प्रचलित थी और इसका प्रारम्भिक नाम 'पौलस्त्यवध' महाकाव्य था। महर्षि वाल्मिकि ने श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों को आधार बनाकर समूचे रामकथा प्रसंग को एक नया स्वरूप तथा अर्थ प्रदान किया। राम का सदाचार से परिपूर्ण आचरण एवं रावण का अनीति एवं अत्याचार से भरा कुकर्म आमने-सामने अनाचार तथा सदाचार के द्वन्द्व के रूप में आता है और कवि वाल्मिकि इस द्वन्द्व के द्वारा सदाचार की विजय चित्रित करके तथा अराजकता से परिपूर्ण मानवीय जीवन की पराजय दिखाकर मानव जाति के नैतिक पक्ष को सुदृढ़ करते हैं।

---

www.onlinebu.com

www.onlinebu.com